बस्ती में
किसे मदद के लिए पुकारें!

किसके हित में
खडे असंगत
परंपराओं के विश्लेषण
बदले नहीं
न्याय के हित में
सतत चल रहे जो निर्देशन

प्रश्न पूछने पर
हिलती हैं
सदियों की ऊँची मीनारें!

धर्मशिलाएँ,
बुर्ज, कँगूरे
शोषण का सहगान कर रहे
श्रम से चूते हुए
पसीने का
कितना सम्मान कर रहे

कैसा चलन
मजूरी करने वाले
जीती बाजी हारें !

झोपड़ियाँ
कर रहीं सभाएं
खेत-कारखानों के श्रम की
साझे सम्मेलन
करते हैं
चर्चा, वंचित जन के दम की

बाँटा है
जन-जन को जिनसे
टूट रहीं अब वे दीवारें ! स्व

ओम सुनील पंडा की कविता

गलियां

एक छोटी सी गली में
बसी होती है एक बड़ी सी दुनिया
दुनिया प्रेम की।
इंद्रधनुष के रंगों वाली दीवारें
और झाँकती हुई हवाओं
के गीत गाने वाली खिड़कियां
जो उस खूबसूरत दुनियां को
रचने में, उसे सुंदर बनाने में
लगाती है दौड़।
गली में उगता है गुलाब
गुलाब पर मंडराते है भौंरें
और गाते है मधुर गीत।
गली की दुनिया
दुनिया की गली से बहुत बड़ी
होती है !
गली की दुनिया में
ना जाने कितने चाँद होते हैं
जहाँ बहती है असँख्य नदियां

सागर की गर्जना मानो ऐसे
सुनाई देती है कि सागर के लिए
निर्मित करना पड़े कोई बहुवचन।
दुनिया की गली में होते हैं
सब सीमित।
समुद्र से उगने वाला सूरज
भी निकलता है
किसी गली की दुनिया से
और गुम हो जाता हैं
दुनिया की गली में।
गलियों की चौड़ाई, उनकी लंबाई
के आँकड़े, बिल्कुल झूठे होते हैं
सरकारी कागज़ो पर।
गलियों को नापने निकलते है
छोटे-छोटे कदम
जो दौड़कर भागकर
बतलाते है गलियों की लंबाई और चौड़ाई।
गलियों के कोई एक नाम नहीं होते
गलियां अपना नाम रखना नहीं जानती
आखिर रखता कौन है उनके नाम ?
धोबी गली, लोहार गली, चमार गली
पंडित गली, मास्टर गली, हिन्दू गली
मुस्लिम गली।

गलियां इंसानों से अच्छी होती हैं
भेदभाव रहित जीवन जीती हैं
मुस्लिम गली अज़ान पढ़ते हुए
हिन्दू गली में आकर शंख बजाती है
हर शहर, कस्बा, गाँव, बस्ती, मोहल्ले
में घुली मिली होती हैं गलियां
चौड़ी गली, सकरी गली, लंबी गली, छोटी गली
एक छोटी सी गली में बसी होती है
एक बड़ी सी दुनिया
दुनिया प्रेम की।
घर जाने वाली गलियों से हमें
प्रेम करना आना चाहिए
घर जाने वाली गलियां जानती हैं
करना हमसे प्रेम
गलियों में गलियां
मिली होती हैं।
पेड़ों पर चिड़ियों के घर
जाने वाली गलियां
भी होती होंगी ! गलियों के नाम
ची....ची ....., चु .... चु ....
होते होंगे।
और समाए होंगे वो भी खुद में
बहुत सा इतिहास
जैसे गली के गली
बनने का इतिहास। **स्व**